



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 29]
No. 29]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 18, 1998 (आषाढ़ 27, 1920)
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 18, 1998 (ASADHA 27, 1920)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 459	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के द्वितीय प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	पृष्ठ *
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, कट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	585	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	---	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निपटिका और महालेखा-परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल बिभाग और भारत सरकार संबंधी और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	695
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, कट्टियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	983	भाग III—खण्ड 2—होर्ट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंट और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	827
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के अधिकार के अधीन प्रभवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	---
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिंदी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विभिन्न अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं।	2219
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयको पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	135
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उप-विधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के घोषणों को दर्जाने वाला सम्पूर्ण	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

* अंकित भारत नहीं

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	459	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 of Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	585	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	695
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	983	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	827
PART I—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2219
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by private individuals and private Bodies	135
PART II—SECTION 2—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc., both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

लोक सभा सचिवालय
 (संचार संबंधी स्थायी समिति)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 जून 1998

सं. 6/1/1/सी. सी./98—श्री रिजवान जहौर खां, संसद सदस्य को 25 जून, 1998 से संचार संबंधी स्थायी समिति (1998-99) का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति श्री बंसी प्रसाद वर्मा, संसद सदस्य, जिन्हें वित्त संबंधी स्थायी समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है, के स्थान पर की गयी है।

एस. कं. शर्मा, उप सचिव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
 (शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1998

सं. एफ. 8-2/97-संस्कृत-2—इस मंत्रालय के दिनांक 10 सितम्बर, 1996 के संकल्प सं. एफ. 8-8/95-संस्कृत-2 के संबंध में यह उल्लेख किया जाता है कि भारत सरकार ने निम्नलिखित तीन संसद सदस्यों को केन्द्रीय संस्कृत बोर्ड में विशेष आमंत्रित के रूप में नामित करने का निर्णय किया है—

क्रम संख्या सदस्य का नाम

1. स्वामी चिन्मयानन्द, संसद सदस्य, लोक सभा
 2. श्रीमती कृष्णा बोस, संसद सदस्य, लोक सभा
 3. डा. श्रीकान्त त्रिचकर, संसद सदस्य, राज्य सभा
- 04-07-1998 तक की अवधि के लिए

आदेश

यह आदेश है कि इस अधिसूचना की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्य प्रशासनों, मंत्रिमंडल सचिवालय, प्रधानमंत्री सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचि-

वालय तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों की भेज दी जाए।

यह भी आदेश है कि सामान्य जानकारी के लिए इस अधिसूचना को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कराया जाए।

राघव शरण पाण्डेय, संयुक्त सचिव

ज्ञान मंत्रालय
 नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1998

सं. 4/1/98 एम-II एस. एम.)—निम्नलिखित रिक्त पदों को भरने के लिए 1998 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतिस्पर्धिता परीक्षा की नियमावली जल संसाधन मंत्रालय की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग-1 (भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, ज्ञान मंत्रालय के पद)

- (1) वैज्ञानिक "ख" जल भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क और
- (2) सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप ख

वर्ग-2 (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड जल संसाधन मंत्रालय के पद)

- (1) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (वैज्ञानिक 'ख') ग्रुप "क"
- (2) सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप "ख"

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए। जिनके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है।

किसी भी उम्मीदवार के अपने आवेदन पत्र में पहले से निश्चित वरीयताओं में परिवर्तन करने के अनुरोध को बाव में किसी भी स्थिति में आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में अस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियां होंगी उम्मीदवार अपनी भारी में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिच्छेद-1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहाँ होगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. कोई उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के ह्रादे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थाई निवास के ह्रादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कोरिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, पूर्वी अफ्रीकी देशों या आग्नि्या, मलावी, येरे, इथियोपिया या वियतनाम से प्रयुजन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवारों को सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल उभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आय पहली जनवरी, 1998 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1968 से पहले और पहली जनवरी, 1977 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम 1 में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हो और यदि वे कालम 2 में उल्लिखित समरूपी पद (पदों) हों

आवेदन करते हैं उनके मामले में ऊपरी आय सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की छूट दी जाएगी :—

कालम	कालम
1	2
भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण	भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप 'क' सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप 'ख' वैज्ञानिक 'ख'
केंद्रीय भू-जल बोर्ड	कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (वैज्ञानिक 'ख') ग्रुप 'क' सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप 'ख'

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आय सीमा में और छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान साधारणतया जम्मू और कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 5 वर्ष तक।
- (3) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित ऐसे उम्मीदवारों के मामले में, जिन्होंने 01 जनवरी, 1980 से 31 दिसम्बर, 1989 तक की अवधि के दौरान जम्मू तथा कश्मीर राज्य में अधिवास किया हो, अधिकतम 10 वर्ष तक।
- (4) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (5) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के कार्मिकों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 1998 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुए शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1998 से एक वर्ष

के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

(7) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों तथा आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने पहली जनवरी, 1998 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हटाने की शारीरिक अप्रगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें से भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल पहली जनवरी, 1998 से 1 वर्ष के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियाँ या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक;

(8) आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 1998 तक पूरी कर ली है, और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और चयन होने पर नियुक्ति का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि पहली जनवरी, 1998 तक पूरी कर ली है और जिनकी नियुक्ति 5 वर्ष से अधिक बढ़ाई गई है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे चयन होने पर नियुक्ति का प्रस्ताव प्राप्त करने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(10) अन्य पिछड़ी श्रेणियों के उन उम्मीदवारों के मामले में अधिकतम तीन वर्ष तक जो ऐसे उम्मीदवारों के लिए लागू आरक्षण को पाने के पात्र हैं।

टिप्पणी 1 : भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होगा जिन्हें समय-समय पर यथा संबंधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और वन में वृद्ध: रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी 2 : पैरा 6 (ग) (2) से (10) के अन्दर आने वाले वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से नहीं हैं तथा जिन्होंने पहले ही आयु

सीमा में छूट प्राप्त करके सिविल क्षेत्र में कोई सरकारी सेवा प्राप्त की हो, आयु सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं।

तथापि, ऐसे भूतपूर्व सैनिकों को, जो केंद्रीय सरकार के अन्तर्गत किसी सिविल पद पर पहले ही नियमित रोजगार प्राप्त कर चुके हैं, केंद्र सरकार के अन्तर्गत किसी उच्च पद या सेवा में किसी अन्य रोजगार के लिए भूतपूर्व सैनिकों को यथा स्वीकार्य आयु छूट के लाभ की अनुमति दी जाती है।

टिप्पणी-3

अन्य पिछड़ी वर्गों से संबंधित वे उम्मीदवार, जो उपर्युक्त पैरा 3(2) (ब) के किन्हीं अन्य वर्गों अर्थात्, जो भूतपूर्व सैनिकों, आदि की श्रेणी में आते हैं, वनों श्रेणियों के अन्तर्गत दी जाने वाली संबंधी आयु सीमा-छूट प्राप्त करने के पात्र होंगे।

उपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें :—

(1) जिस उम्मीदवार को नियम 6(ब) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र के बाद उसकी सेवा या पद से छूटनी दी जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु संबंधी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बशर्त कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत् अनुसंधान सहित उसके मूल विभाग द्वारा अंगीकृत कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवार के पात्र :—

(क) भारत के केंद्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान या प्रयुक्त भू-विज्ञान या समुद्र भू-विज्ञान में "मास्टर" डिग्री या

(ख) भारतीय ज्ञान विद्यालय, बनारस से प्रयुक्त भू-विज्ञान में एंटीसिएटीएस का डिप्लोमा, या

(ग) किसी राज्य/राज्य विद्यालय से स्नातक अर्थशास्त्र में अथवा किसी (केंद्र या राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीन) के डिप्लोमा, या

(घ) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जल-भू-विज्ञान में मास्टर डिग्री (केवल कन्द्रीय भू-जल बोर्ड के पदों) हेतु ।

टिप्पणी 1 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शीर्षक छींट से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्त कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कक्षा ऐसा परीक्षा पास कर ली हो जिसके स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके ।

टिप्पणी 2 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विश्वेश विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवेका पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है ।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या श्रुलक का भुगतान अवश्य करना चाहिए ।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थाई या अस्थायी हौसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हौसियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह बचन (अडरटॉकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है ।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी ।

10. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को आवेदन-पत्र को स्वीकार करने तथा उनको पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा ।

परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं । परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए आयोग में उन्हें प्रवेश दिया है, अर्थात् लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण में उनका प्रवेश पूर्णतः अंतिम होगा तथा उनके निर्धारित पात्रता की शर्तों को पूरा करने पर आधारित होगा । यदि लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार परीक्षण के पहले या बाद में सत्यापन करने पर यह पता चलता है कि वे पात्रता की किन्हीं शर्तों को पूरा नहीं करते हैं तो आयोग द्वारा परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी ।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो ।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फरकदल किया गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में उम्मीदवार के संबंध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुरु्यवहार किया हो, अथवा

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो, अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति दते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,

(12) पूर्वाक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है तथा/अथवा

(ख) उसे स्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से

वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अंतर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है । किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार इस संबंध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया हो तो उस पर विचार न कर लिया गया हो ।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी विवेका पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा ।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग उनका स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा अंतिम रूप से प्राप्त कूल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझता उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुसंधान करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(2) आयोग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अ. पि. श्रेणियों के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, स्तर में छूट देकर सिफारिश की जा सकती किन्तु शर्त यह है कि वे उम्मीदवार सेवा पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

बताना कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के जो उम्मीदवार योग्यताक्रम के आधार पर सिफारिश किये जायेंगे उन्हें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समा-योजित नहीं लिया जाएगा।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से उद्योग में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि विहित डाक्टरों परीक्षा के बाद यथस्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जिन उम्मीदवारों को नियुक्ति किए जाने की संभावना है केवल उन्हीं की डाक्टरों परीक्षा की जाएगी। डाक्टरों परीक्षा के समय उम्मीदवार शूलक के रूप में रु. 16.00 (केवल मोलह रूपए) का भुगतान मेडिकल शीट को करेगी।

नोट :—परीक्षा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरों जांच करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन

डाक्टरों परीक्षाओं से गुजरना होगा इनके स्वरूप के विवरण और मानक परीक्षा-2 में दिए गए हैं। विकलांग हुए भूतपूर्व सैनिकों को परीक्षा की शर्तों की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जाएगी।

19. जिस व्यक्ति ने—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के लिए अन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परीक्षा-3 में दिया गया है।

के. एन.के.एन., अवर सचिव

परीक्षा-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग-1—नीचे पैरा 2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा

भाग 2—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाए जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (कोई भी पैरा 8) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में की जाएगी :—

विषय	कोड नं०	समय	पूर्णांक
1	2	3	4
(1) सामान्य अंग्रेजी	01	2 घंटे	100
(2) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र I जिसमें सामान्य भू-विज्ञान, भू-आकृति विज्ञान, संरचनात्मक भू-विज्ञान, स्तरक्रम विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान होंगे	02	3 घंटे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र II जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान शैल, विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे।	03	3 घंटे	200

1	2	3	4
(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र III,	04	2 घंटे	150
जिसमें भारतीय खनिज, निक्षेप, खनिज अन्वेषण, खनिज अर्थशास्त्र और आर्थिक भू-विज्ञान होंगे			
(5) जल भू-विज्ञान	05	2 घंटे	150

नोट :—वर्ग 1 और वर्ग 2 के अंतर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग 1 के अंतर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग 2 के अंतर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तथा (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः परम्परागत (निबंधात्मक) प्रकार की होगी।

4. सभी प्रश्न-पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में देना होगा। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

5. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

6. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जाएगी।

7. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निश्चित कर सकता है।

8. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले अंकों में से कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

9. अनावश्यक ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

10. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में, कमबद्ध प्रभावपूर्ण ढंग की और सही हों।

11. प्रश्न-पत्र में आवश्यक होने पर केवल प्रश्नों में तोल और माप को मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे।

12. उम्मीदवारों का प्रश्न-पत्रों के उत्तर-पत्रों उत्तर पर लिखते समय भारतीय अंकों के अन्तर्गच्छीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

13. उम्मीदवारों को इस परीक्षा में अपने साथ बैटरी चालित पाकेट कैलकुलेटर लाने तथा प्रयोग करने की छूट है। परीक्षा हाल में कैलकुलेटर उधार लेने अथवा बदलने की अनुमति नहीं है।

14. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार को नेतृत्व क्षमता, पहल तथा मेधाशक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जाशक्ति प्रायोगिक अनुप्रयोग की क्षमता और आर्थिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भू-वैज्ञानिक विषय भारतीय विश्व-विद्यालय की एम. एस.सी. डिग्री स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जाएंगे जिनमें उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी (कोड 01)

उम्मीदवारों की अंग्रेजी में एक लघु निबंध लिखना होगा। अन्य प्रश्नों का उद्देश्य उनकी अंग्रेजी समझने की क्षमता तथा शब्दों के सुनिपुण की परीक्षा करना होगा।

(2) भू-वैज्ञानिक प्रश्न-पत्र 1 (कोड 02)

क—सामान्य भू-उद्गम—महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन, महासागर विस्तारण और प्लेट विवर्तनिकी की संकल्पना पराजलवायु और उनकी विषमता। समस्थिति पराजम्बकत्व। विषटना-मिकता और उसका भू-विज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालान क्रम और भूकाल भूकम्प विज्ञान और भूगर्भ। भू-अभिनति। ज्वालामुखीयता। द्वीप चाप गंभीर सागर, आर्द्रां और मध्य महासागरीय कटक केरल रीट। पर्वतन और महाद्वेष रचना। पर्वतनी श्रेक।

ख—भू-आकृति विज्ञान—भू-आकृतिक प्रक्रम, लक्षण और उनके प्राचल। भू-आकृतिक श्रेक और उनका अर्थ निर्वचन स्थलाकृति और संरचनाओं से इनका संबंध। मृदा।

ग—संरचनात्मक भू-विज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण विरूपण, भ्रमन और फाल्टिंग एण्ड कोल्लिंग—उनकी यांत्रिक प्राथमिक संरचना संरक्षण शल्कन और जोड़। चितल अंतर्बन्धी और लक्षण गुम्बद। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विन्यास पटल विरूपण। शैल सचिन्यासी, विश्लेषण।

घ—स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धान्त तथा नामपद्धति। विश्व स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपरेखाएं। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्ररूप अनुमान। गोंडवाना प्रणाली तथा गोंडवाना, महाखंड।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगला देश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शैल समूह में सहसंबंध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएं।

ड—पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण, पद्धति तथा प्रयोग। अवशर्कियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास, प्रवाल, भजपाद, पटल क्लोम, एसीनाइटीज जंतरपाद, ट्राइलोहाकीज शैल चर्मी गेंटोलाइट्स और फॉर्मिनीफर्स।

(ख) गोंडवाना तथा शिवालिक प्राणजात पर बल दते हुए कशर्कियों के प्रमुख समूह। मानक हाथी तथा घोड़ा का विकास वन।

(ग) गोंडवाना वनस्पति पर बल सहित—जीवाश्म वनस्पति तथा इसका महत्त्व और वितरण।

(घ) सूक्ष्मपराभूगोल : फोरमिनीफेराइड्स के विशेष संबंध में इसका महत्व, उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा प्रास्थिति विज्ञान ।

(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र 2 (कोड 03)

क—क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों की सीमित तत्त्व तथा वर्गीकरण । प्रश्न—गोलीय तथा त्रिविम 32 क्लाम (बिंदू समूह) । यमलम तथा क्रिस्टल अपूर्णता ।

ख—वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिज के भौतिक, रसायनिक, वैद्युत, चुम्बकीय तथा तापीय गुण धर्म । सिलिकाटों की संरचना तथा वर्गीकरण ।

अलिवीन ग्रुप, गार्नेट ग्रुप, एम्फिबोइट ग्रुप और मलिलाइट ग्रुप । जरकान, स्फीन सिलिमनाइट, एन्हासुसाइट, कायनाइट, पुस्कराज, स्टारोलाइट औरल, क्रांजिएराइट दर मैलीन । पाइराक्सीन ग्रुप और एम्फिबोलाइट ग्रुप । बोलेस्टेनाइट और रोडोनाइट ग्रुप तथा स्क्वेलाइट ग्रुप । आक्साइड्स हाइड्रोक्लाइट्स फल्डस्पार ग्रुप सिलिका मिनेटल्स फेल्सपाथोइट ग्रुप । जियोलाइट ग्रुप तथा स्क्वेलाइट ग्रुप । आक्साइड्स, हाइड्रोक्लाइट्स कार्बोनेट्स फास्फेट हाइड्रेट्स, सल्फाट्स तथा सल्फेट्स ।

ग—प्रकाशित खनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के सामान्य सिद्धान्त । प्रकाशित उप साधन । अपवर्तन, द्विबिन्दुवर्तन, विवर्ण कोण, वक्रवर्णना । प्रकाशिक धीवर्तन, प्रकाशित अक्षीय कोण । प्रकाशन अभिविन्यास परिप्रेक्षण प्रकीर्णन । प्रकाशित विसंगतियां ।

घ—शैल विज्ञान

(1) आग्नेय : स्वरूप संरचना, गठन और वर्गीकरण ग्रेनाइट-ग्रेनाइटोइड, साइनाइट-नैफेलाइट, ग्राइनाइट ग्रेनाइटोइड-डोलाइट, डारलाइट, लैप्रोफायर, पैमाटाइट एप्लाइट, आइजोलाइट कार्बोनाइट । रिडोलाइट ट्रोकाइट, डाइकाइटो एण्डो-जाइट तथा बेसाइट ।

सिलिकेट सिस्टम में प्रावस्था निगम तथा साम्यता । द्वि-षटक तथा त्रिषटक तंत्र । क्रिस्टलीकरण क्रम । अभिक्रिया सिद्धान्त क्रिस्टलीकरण-अनकता । विभिन्नता । आरंभ । ग्रेनाइटोइड्स मोनोक्लीनरिडिक तथा भारीय शैल कार्बोनाटाइट्स पनाटाइट्स तथा लेप्रोफायरों का उद्गम ।

(2) अवसादी : वर्गीकरण तथा ढनावट । अवसादों का मूल । गठन और संरचना । अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन । अवसादों का यांत्रिक विघटन । निक्षेपण की पद्धतियां । पराधाराण तथा शैली विघटन । अवसादों का उद्गम क्षेत्र विक्षेपणीय पराधरण भारी खनिज तथा उनका महत्व । शिली भवन तथा प्रसंघनन ।

(3) कार्यन्तरित शैल : कार्यान्तरण के कारण प्ररूप नियंत्रण संरचना, श्रेणी तथा संरक्षण । कार्यान्तरित विभेदन । तत्वांतरण तथा ग्रेनाइटोइड भवन । अभिसंरचना, कणिकाणम, पानोकाइट, बोलाइट्स, शिष्ट; नाइसिसेज और हार्निंग्सफर्मेस । गेचमा और औराजनी के संबंध में कार्यान्तरण ।

ङ—भू-रसायन विज्ञान

अवयवों का अंतरिक्षी बाहुल्य, पृथ्वी का प्राथमिक भू-रासायनिक विमदन, अवयवों का भू-रासायनिक वर्गीकरण जल-संध अवयव/जल का रसायन विज्ञान । अवयवों का भू-रासायन विज्ञान भू-रासायनिक चक्र तथा भू-रासायनिक पूर्वोक्त के सिद्धान्त ।

(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र 3 (कोड 04)

क—भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु अयस्क और खनिजों का भारतीय निक्षेप, जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उद्गम प्रणाली के संदर्भ में हों :—

(क) तांबा, सीसा, जस्त, एल्यूमिनियम, मैंगनीशियम, लोहा, मैंगनीज, क्रोमियम, सोना, चांदी, टंगस्टन तथा मोलिब्डेनम ।

(ख) अभ्रक, बाम्बेलाइट, एरबेस्टस, बेरोटिस, ग्रेफाइट, जिप्सम, गरिक, मूल्यवान तथा अल्पमूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, अपघर्षी तथा मलिका शिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक, सीमेंट प्रलेख तथा वर्णन उद्योग निर्माणी पत्थर ।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु उर्जा खनिज ।

ख—खनिज अन्वेषण

पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियां क्षेत्रगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण, अयस्क निक्षेप का पता बने जाने निदेश, अयस्क निक्षेपों का प्रतिचयन, आभापन और मूल्यांकन । खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रासायनिक तथा भू-नैदानिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग ।

ग—खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में खनिजों का महत्व । विनिर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग । मांग, आपूर्ति और प्रतिस्थापना । भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य । खनिज उद्योगों के अंतराष्ट्रीय पहल । सामरिक, कांति और अनिवार्य खनिज । संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति । खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति ।

(घ) आर्थिक भू-विज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण । आवश्यक धात्विक तथा अधात्विक खनिजों का अध्ययन जो उनकी खनिजायता, उपस्थिति तथा वितरण के संदर्भ में दिया गया हो ।

(5) जल-भूविज्ञान (कोड 05)

जल-भूविज्ञान चक्र । भूपर्यटी में जल वितरण । जलीय चक्र में भूजल आकाशी, भूमज और भूमिज जल और स्रोतों का उद्भव । जलधारी लक्षणों की छिष्ट में शैलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक । भूजल की उपस्थिति के अनकल भू-वैज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र । भू-जल भण्डार—जल भर, मित्रजल-भत, अक्षयीटाइर्स । जलभरणों का वर्गीकरण ।

शैलों के जल-वैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—संरभूता रिक्त अनुपात, चुम्बकशीलता, पारगम्यता स्ट्रॉटिविटी आपेक्षिक पराभव, आपेक्षिक धारिता, विसरणशीलता । भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियाँ—कूप पद्धतियाँ तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा चुम्बकशीलता और आपेक्षिक पराभव । स्ट्रॉटिविटी की पहचान । भू-जल के गति प्रदान करने वाले बल । भू-जल गति के नियम—डासी नियम के भू-जल का पुनर्भरण—कृत्रिम तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारक, भू-जल के युति और क्षयी प्रयोग ।

भू-जल अन्वेषण की पृथगी तथा उप-पृथगी प्रविधियाँ—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन । भू-जल निष्कर्षण की प्रविधियाँ (कूप-प्ररूप सर्वाधिक उपज हेतु विभिन्न प्रकार के शैल-क्षेत्रों में कूप निर्माण की पद्धतियाँ) । विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—घर उद्धार तथा सिंचाई भंडारों की संदर्भ में भू-जल के रासायनिक के लक्षण, जल प्रदूषण ।

परिशिष्ट-2

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षण द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारण मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी ।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा । रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग कर्मचारियों के मामले में पदों की अपेक्षाओं को देखते हुए स्तर में छूट दी जाएगी ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो ।

2. भारतीय (एंग्लोइण्डियन सिटिजन) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लायें । यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विपरीतता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रहना चाहिए और उसकी छाती का एक्सरे लेना चाहिए । ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा ।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और मापदण्ड (स्टैण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिंधाय एंडियों के पावों के अंगूठे या किसी और हिस्से पर न पड़े । वह बिना अंकड़ों सीधा खड़ा होगा और उसकी एंडियां, पिडीलियां नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे । उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटव्स आफ हेंड्स लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आए । कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा ।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उस इस भांति खड़ा किया जाएगा कि इसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों । वह फीते के छाती के गिद इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिद ले जाने पर उसी आँखों समतल (हारिजेंटल/प्लेन) में रहे । फिर भुजाओं को नीची किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा । किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएँ ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए । तब उम्मीदवार को कंधे वार गहरी सांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा । और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि । माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए ।

विशेष ध्यान दें :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए ।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा । आधी किलोग्राम का उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए ।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी । प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा ।

(1) सामान्य (जनरल) : किसी रोग या असामान्यता (एबनॉर्मलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी । यदि उम्मीदवार की आंखें अथवा साथ लायी संरचनाओं (कन्जुगस स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा ।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्यूइटी) : दृष्टि तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए । प्रत्येक जांच की अलग-अलग परीक्षा ली जाएगी ।

चश्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आइ) विजन की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल प्राधिकरण द्वारा इस रिकार्ड किया जाएगा । क्योंकि इससे आंखों की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी ।

चश्मे के साथ चश्मे के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा।

दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
अच्छी	खराब	अच्छी	खराब
आंख	आंख	आंख	आंख
6/9	6/9	0.6	0.8
अथवा	अथवा		
6/6	6/12		

टिप्पणी : (1) मायोपिया का कुल परिणाम सिलेंडर सहित—4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) +4.00 डी. से अधिक नहीं होना चाहिए।

टिप्पणी : (2) फण्डस परीक्षा : जहां तक संभव होगा चिकित्सा बोर्ड की विविधा पर फण्डस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी : (3) कलर विजन :

- (1) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।
- (2) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उत्तमतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिए। ला लैटर्न एपचर के आकार पर निर्भर होगा :—

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उत्तमतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4.9 मीटर
2. द्वारक (एपचर) का आकार	1.3 मि० मी०	1.3 मि० मी०
3. उद्भाषन काल	5 सेकण्ड	5 सेकण्ड

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के सम्बन्ध भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) तथा सहायक भू-विज्ञानी तथा केन्द्रीय भूमि-जल बोर्ड से सम्बन्ध कनिष्ठ जल तथा भू-विज्ञानी तथा सहायक जल भू-विज्ञानी के पदों के लिए रंग, प्रत्यक्ष ज्ञान तथा आंखों से संबंधित सभी चिकित्सा मानकों का स्तर ऊंचा होगा।

(3) लाल संकेत, हरे संकेत और रंग के आसानी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इसी प्रकार के प्लेटों के इस्तेमाल के जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसकी रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों आंखों में से किसी भी एक जांच के साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित संवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

टिप्पणी : (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) : सम्पूर्ण विधि (कन्फ्रन्टेशन मीथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी।

जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संविध हो तो क्षेत्र को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (5) रतींधी (नाइट ब्लाइण्डनेस) : केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतींधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतींधी में विशाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैण्डर्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मैडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों को कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दिशाएं (आक्युलर कन्जुगैन्स) :

(क) आंख की अंग संबंधी बीमारी को या बढती हुई अप-वर्तन ब्रूटि (मिफ्रिक्टिव एरर) को, जिसके परिणाम-स्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता से कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रंहे (ट्रकिया) : रंहे जब तक भयानक हों साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भौगापन : जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भौगापन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति : एक आंख वाले व्यक्ति को नियुक्ति हेतु अनर्हास की जाएगी।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय में काम लेगा। नार्मल मैक्सिमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+आयु होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान : सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविधता मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह भी पता लगना चाहिए कि थंबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई क्रॉनिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्स-रे और इलेक्ट्रोकार्डोग्राफो जांच रक्त यूरिया निकाय (क्रिएटेनिस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित : पारा वाले दाबमापी (मर्करी मानोमीटर) किन्तु का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या थंबराहट के पंद्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना।

बसी हुए। रोगी बैठ या खड़ा हो सकता है कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम में हो। बांह थोड़ी-बहुत हारी-पोटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर हो तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ की भुजा के अंदर की ओर रख कर और उसके निचले किनारों को कोहनी के मोड़ से एक या दो हांच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके दाब कपड़े की पट्टी को फेंका कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर फाई हुईसा फूलकर बाहु को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु बमनी (बॉम्बेन यादरैरी) को बसा-दबा कर डूबा जाता है और तब उसके ऊपर बीची-बीच स्टेथो-स्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ को साब न लगे। कफ में लगभग 200 एम. एम. एच. बी. हवा भरी जाती है और उसके दाब इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है हल्की कर्माक ध्वनियां सुनाई देने पर जिस स्तर पर पारने का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर बताता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तब ध्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की बसी हुई सी क्षुब्ध प्रायः हो जाएं यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लंबे समय का दबाव रोगी के लिए शोभकारी होता है और इससे रीबिंग गलत होती है। यदि संवारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइलेंट गैप' से रीबिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मीडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच वृथा शककर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा। और मधुमेह (डायबिटीज) के भातक बिस्म और लक्षणों का भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार का ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसरिया) के सिवाय, अपेक्षित मीडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है इसका ग्लूकोज मेह (अमधुमेही नान डायबिटीक) है और बोर्ड इस केस को मीडिकल के किसी ऐसे निविष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मीडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट संकेत या भी कभी-निकल या लैबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझना, करेगा और अपनी रिपोर्ट मीडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मीडिकल बोर्ड का "फिट" "अनफिट" की अतिरिक्त राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उप-स्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपनि के प्रभाव का समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कब विनी तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि इसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्तों बाद अयोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसको फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार का दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में योमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के दस्तोखाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपलब्ध भारतीय रेल, भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल संस्थाओं, सेना इंजीनियरिंग सेवा, तार इंजीनियरिंग सेवा, ग्रुप के तार यातायात सेवा, ग्रुप 'ख' केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा, ग्रुप 'क' और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरिंग सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है :—

1	2	3
(1)	एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि फ्रिक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
(2)	दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोर्ड, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार सम्भव है।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीक फ्रिक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।
(3)	सैट्रल अथवा माजिनल टाइप के टिम्पनिक मेम्ब्रेन छिद्र	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान से टिम्पनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में माजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर सीधे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है। (2) दोनों कानों में माजिनल या एड्रिक छिद्र होने पर अयोग्य। (3) दोनों कानों में से सैट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

1	2	3
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सबनार्मल श्रवण ।	(1) किसी एक कान से सामान्य रूप में एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान से सब-नार्मल श्रवण वाले कान मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य । (2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए उपयोग यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयोग्य बनाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कामों के लिए योग्य ।	
(5) बहने रहने वाला कान आपरेशन किया गया बिना आपरेशन वाला	तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए अस्थाई रूप से अयोग्य ।	
(6) नासापट की हड्डी सम्बन्धी विषमताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उस पर रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक एर्जलिक दशा ।	(1) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा । (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अपसरण विद्यमान होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य ।	
(7) टॉसिलस और अथवा स्वयंय (लेगिंस) को जीर्ण प्रदाहक दशा ।	(1) टॉसिलस और अथवा स्वर यंत्र को जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य । (2) यदि अवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थाई रूप से अयोग्य ।	
(8) कान, नाक और गले (ई०एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्बल ट्यूमर ।	(1) हल्का ट्यूमर अस्थाई रूप से अयोग्य । (2) दुर्बल ट्यूमर अयोग्य ।	
(9) आस्टोकिरोसिस	श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसिबल के अन्दर होमे पर योग्य ।	
(10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष	(1) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य । (2) भारी मात्रा में हफ-लाहट हो तो अयोग्य ।	
(11) मेजल पोषो	अस्थाई रूप से अयोग्य ।	

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो ।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हों या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हों या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी हों या नहीं और छाती काफी फूँटी हो या नहीं तथा उसका विल या फेफड़े ठीक हों या नहीं ।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी हो या नहीं ।

(च) उसे रक्खर हों या नहीं ।

(छ) उसे हाइड्रोसिल बढ़ी हुई और कोसील और काज शिरा (वेन) या बवासीर हों या नहीं ।

(ज) उनके अंगों, हाथों पैरों की बनावट और विकास अच्छा हों या नहीं और उसकी ग्रंथियाँ भसी-भाँति हों स्वतंत्र रूप से हिलती हों या नहीं ।

(झ) उसके कोई घिरस्थाई त्वचा की बीमारी हो या नहीं

(ञ) कोई जन्मजात करबना या दाँप नहीं हों ।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हों या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे ।

(ठ) कारगर टीके के निशान हों या नहीं ।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग हो या नहीं ।

11. दिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्सरे परीक्षा की जानी चाहिए ।

जब कोई दाँप मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक का अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक इयुटी में बाधा पड़ने की संभावना हो या नहीं ।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उसकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है किन्तु यदि सरकार के प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है । ऐसा प्रमाण उम्मीदवार की प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भंग करने की तारीख से एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि उसमें संबंधित मेडिकल प्रैक्टिशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि वह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके उत्सृजित किया जा चुका है ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षण के मांगदर्जन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :-

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाये जाने वाले स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवाकाय (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति के पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं है कि उसे कोई ऐसी बीमारी या शारीरिक कुर्वलता (बाइनी इन्फॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उससे अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उतना ही सम्बन्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर संशय पूर्व प्रेषण या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार का अस्वीकृत करने की सलाह उस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा बाध हो जो केवल कम परिस्थितियों में निरन्तर कारणर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहभागीत किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और कनिष्ठ भू-जल विज्ञानी (वैज्ञानिक स्तर)/सहायक भू-जल विज्ञानी सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किये जाएंगे, उन्हें भारत में या भारत के बाहर क्षेत्रगत कार्य करना हाना। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामले में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाए जाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय की कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कक्ष में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो बुरा परीक्षा की अधीन माभारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित दबाधिक के बाद जब बुरा

परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आय की अधीन के लिए स्थाई तौर पर अयोग्य माभारणतया न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में कथन व इस नियुक्ति के लिये अयोग्य है ऐसा निर्णय बरतित रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये हुए नोट में, उल्लिखित बतावनी की और उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना नाम पूरा लिखें

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असम, नागा/लेण्ड जन-जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिनका बीसत कद दूसरों से कम होता है। "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। यदि उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।

(ख) क्या आपको कभी चंचक, रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रिथिया (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थक में खन आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्च्छ के दौरों, रुमेटिज्म एपेंडिसाइटिस हुआ है ?

(ग) क्या दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्बलता, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है ?

4. क्या आपका अधिक काम या किसी दूसरे कारण किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई ?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरा दें :-

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	--	--

यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं और उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
---	---	---	---

6. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि उपर का उत्तर हां में हो तो बताएं कि सेवा/ किन सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी ?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
9. कब और कहाँ मैडिकल बोर्ड हुआ ।
10. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है उपर विनियमित सभी जवाब सही और ठीक हैं ।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
मेरे सामने हस्ताक्षर किए
बोर्ड के अध्यक्ष के
हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा । जानबूझकर किसी सूचना को छुपाने से वह निर्यात खे बँटने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरानुएशन) अलाउन्स या उपदान (ग्रेजुएटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा ।

(ख) (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा या मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

- | | | |
|------------------|---------|------|
| 1. सामान्य विकास | सामान्य | खराब |
| पोषण : पतला | औस्त | मोटा |

वजन	कद	(जुते उतार कर)
वजन	में कोई हाल में हुआ परिवर्तन	
तापमान		

छाती का घेर

1. पूरा सांस खींचने पर—
- पूरा सांस छोड़ने पर—
2. रक्खा—कोई बाहरी बीमारी
3. नैस :—
- (1) कोई बीमारी
- (2) रसोधी
- (3) कलर विजन का दोष—
- (4) दृष्टि के क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)—
- (5) फंडस की जांच
- (6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)—
- (7) विविध संगलन की योग्यता—

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मों से चश्मे की पावर गोले सिलेक्सम

दूर की नजर	दा० ने०
	बा० ने०
पास की नजर	दा० ने०
	बा० ने०
हाइपरमेट्रोपिया (व्यक्त)	दा० ने०
	बा० ने०

4. कान : निरीक्षण

दायाँ कान बायाँ कान

5. ग्रन्थियाँ थाईराइड

6. दाँतों की हालत

7. स्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम)—का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों से किसी असमानता का पता लगा है। यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौरा है—

8. परिसंचरण तंत्र (सरकुलैटरी सिस्टम)

(क) हृदय और आंगिक गति (आंगीय नीडन) गति (रेटे) रुकने पर 25 बार कुदाए जाने के बाद कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) ब्लड प्रेशर सिस्टोलिक डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) प्रेशर हार्निया

स्पर्शसहायता

(क) दबाकर मालूम पड़ना : जिगर तिल्ली ट्यूमर

(ख) रक्तांश भंगवर

10. तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अप-सामान्यता का संकेत

11. चाल तंत्र (लोकमोटर सिस्टम) कोई असामान्यता

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनेटरी यूरिनरी सिस्टम) हाइड्रोसेल, बैरिकोसेल आदि का कोई संकेत :

मूत्र परीक्षा :—

- (क) कैसा विशाल पड़ता है ?
- (ख) उपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)
- (ग) एल्बुमिन
- (घ) शक्कर
- (ङ) कास्टस
- (च) कोशिकाएं (सैल्स)

13. छाती के एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी के दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है ।

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 मप्ताह अथवा उससे अधिक समय की गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए (देखें विनियम 9) ।

15 (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के किन संवाकों में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्ठावान होत सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन संवाकों के लिए यह अयोग्य पाया गया है ।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षत्रगत सेवा के लिए योग्य है ।

नोट :—बोर्ड को अपना निर्णय निर्माणाखत तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।

- (1) योग्य.....
 (2)के कारण योग्य
 (3)के कारण अस्थाई रूप से अयोग्य स्थान.....अध्यक्ष.....
 तारीख.....सदस्य.....

परिशिष्ट 3

इस परीक्षा के आधार पर जितने पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण

1. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में निर्धारित वेतनमान :—

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) (कनिष्ठ वेतनमान) रुपए 8,000-275-13,500।

(2) भू-विज्ञानी (वरिष्ठ) (वरिष्ठ वेतनमान) रुपए 10,000-325-15,200।

(3) निदेशक (भू-विज्ञानी)—रुपए 12,000-375-16,500।

(4) निदेशक (चयन ग्रेड)—रुपए 14,300-400-18,300।

(5) उप महानिदेशक/(भू-विज्ञानी)—रुपए 18,400-500-22,400।

(6) वरिष्ठ उप महानिदेशक (परिचालन)—रुपए 22,400-525-24,500।

(7) महानिदेशक—रुपए 26,000/- (नियत)।

(घ) सरकार द्वारा समय-समय पर संबंधित नियमों और भर्ती नियमों के अनुसार नियमों में बदलावों को लागू करने की शक्ति होगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा मिलित सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(च) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में किया गया भविष्य निधि के अन्तर्गत भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(छ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप ख

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) वेतन का निर्धारित वेतनमान : रुपए 6,500-200-10,500।

(घ) भू-विज्ञानी (ग्रुप क—कनिष्ठ वेतनमान) के संदर्भ में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पब्लिशित समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञानी सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जिनका उल्लेख क्रमशः सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित मूल नियमों तथा मिलित सेवा विनियमों में किया गया है।

(च) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जिनका उल्लेख सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में किया गया है।

(छ) सहायक भू-वैज्ञानिकों को भारत में या भारत से बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

(1) वैज्ञानिक "ख" (कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी) ग्रुप "क"—

(क) नियुक्ति हेतु चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहना होगा। आवश्यकता होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में विहित वेतनमान—

(1) वैज्ञानिक "ख" (कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी)—रु. 8,000-275-13,500।

(2) वैज्ञानिक "ग" (वरिष्ठ जल-भू-विज्ञानी)—रु. 10,000-325-15,200।

(3) वैज्ञानिक "ङ"—रु. 12,000-375-16,500।

(4) क्षेत्रीय निदेशक—रु. 14,300-400-18,300।

(5) महाविदेशक—रु. 18,400-500-22,400।

(6) निदेशक—रु. 22,400-525-24,500।

- (ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर श्रेणियों में पदोन्नति की जाएगी।
- (घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।
- (ङ) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय संवाय) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।
- (च) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।
- (2) सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप 'क'
- (क) नियुक्ति हेतु चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा, यदि आवश्यक समझा गया तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

- (ख) निर्धारित वेतनमान रु. 6,500-200-10,500।
- (ग) कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी (ग्रुप 'क') के संवर्ग में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न श्रेणियों में पदोन्नति द्वारा दी जाएगी।
- (घ) सेवा, अवकाश और पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।
- (ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय संवाय) नियमावली में उल्लिखित हैं।
- (च) सहायक जल भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

LOK SABHA SECRETARIAT

STANDING COMMITTEE ON COMMUNICATIONS

New Delhi-110001, the 29th June 1998

No. 6/1/1/CC/98.—Shri Rizwan Zaheer Khan, M.P. has been appointed as a member of the Standing Committee on Communications (1998-99) wef 25 June, 1998 vice Shri Beni Prasad Verma, M.P. who has been appointed as member of the Standing Committee on Finance.

S. K. SHARMA, Dy. Secy.

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(DEPTT. OF EDUCATION)

New Delhi, the 26th June 1998

No. F.8-2/97-SK.II.—With reference to this Ministry's Resolution No. F.8-8/95-SK.II dated September 10, 1996 regarding constitution of Central Sanskrit Board, it is hereby notified that the Government of India have decided to nominate the following three Members of Parliament as special invitees on the Central Sanskrit Board :—

Sl. No. and Name of Member

1. Swamy Chinmayanand, M.P., Lok Sabha
2. Smt. Krishna Bose, M.P., Lok Sabha.
3. Dr. Srikant Jichkar, M.P., Rajya Sabha—upto 4-7-98.

ORDER

Ordered that a copy of this Notification be communicated to all State Governments and Union-Territory Administrations.
3—151GI/98

Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Notification be published in the Gazette of India for general information.

R. S. PANDEY, Jt. Secy.

MINISTRY OF MINES

New Delhi, the 18th July, 1998

RULES

No. 4/1/98-M. II (SM).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1998 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Water Resources, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Mines).

- (i) Geologist (Junior), Group A, and
- (ii) Assistant Geologist, Group B.

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Water Resources).

- (i) Jr. Hydrogeologists (Scientist B) Group A.
- (ii) Assistant Hydrogeologist, Group B.

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the post for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in his application form for the examination will be considered in any case at any subsequent stage.

2. Appointment on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes/Scheduled Tribes and the other Backward Classes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia or Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1998 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1968 and not later than 1st January, 1977.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants, if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior) Group A Assistant Geologist, Group B.
Central Ground Water Board	Jr. Hydrogeologist (Scientist B) Group A Assistant Hydrogeologist, Group B

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of five years if a candidate had ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (iii) upto a maximum of ten years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and had ordinarily been domiciled in the State of Jammu & Kashmir during the period from the 1st January, 1980 to the 31st day of December, 1989.
- (iv) upto a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (v) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (vi) upto a maximum of five years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years of Military Service as on 1st January, 1998 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1998 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on

account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

(vii) upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen including Commissioned Officer and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years of Military Service as on 1st January, 1998 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1998 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military service or (iii) on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(viii) upto a maximum of 5 years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military service as on 1st January, 1998 and whose assignment has been extended beyond 5 years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.

(ix) upto a maximum of 10 years in the case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1998 and whose assignment has been extended beyond 5 years, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(x) upto a maximum of three years in the case of candidates belonging to Other Backward Classes who are eligible to avail of reservation applicable to such candidates.

NOTE I—The form ex/servicemen will apply to the persons who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE II—Candidates falling under Rule 6(e) (ii) to (x) who do not belong to Scheduled Castes and Scheduled Tribe, are not eligible for age concession if they have already joined any Govt. job on civil side after availing of the age concession.

The Ex-servicemen who have already secured regular employment under the Central Govt. in a civil post are, however, permitted the benefit of age relaxation as admissible to Ex-servicemen for securing another employment in any higher post or service under the Central Government.

NOTE III—Candidates belonging to Other Backward Classes who are also covered under any other clauses of Rule 6(c) above, viz. those coming under the category of Ex-servicemen, persons domiciled in the State of J&K etc. will be eligible for grant of cumulative age-relaxation under both the categories.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer provided his application, duly recommended has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have —

(a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or

(b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or

(c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University (for posts in the Geological Survey of India only; or

- (d) Master's degree in Hydrogeology from a recognised University (for posts in the Central Ground Water Board only).

NOTE I.—In exceptional cases the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE II.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

10. The decision of the Commission with regard to the acceptance of the application of a candidate for the examination and his eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

The candidates applying for the examination should ensure that they fulfil all the eligibility conditions for admission to the Examination. Their admission at all the stages of examination for which they are admitted by the Commission, viz. Written Examination and Interview Test, will be purely provisional, subject to their satisfying the prescribed eligibility conditions. If on verification at any time before or after the Written Examination or Interview Test, it is found that they do not fulfil any of eligibility conditions, their candidature for the examination will be cancelled by the Commission.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or

- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harrassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instruction issued to the candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and/or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.

13. Candidate who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes or the Other Backward Classes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. (i) After the interview the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) The candidates belonging to any of the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, or the Other Backward Classes, may be the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the services.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule, shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 (Rupees Sixteen only) to the Medical Board concerned at the time of the Medical Examination.

Note :—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment in Gazetted posts and of the

standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

K. SASIKANTHAN, Under Secy.

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

Part I.—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

Part II.—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 8 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subject	Code No.	Duration	Maximum Marks
1	2	3	4
(1) General English	01	2 hrs.	100
(2) Geology Paper I, Comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology	02	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, Comprising Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geo-Chemistry	03	3 hrs.	200

SCHEDULE

1	2	3	4
(4) Geology Paper III, Comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral economics and Economic Geology	04	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology	05	2 hrs.	150

Note :—Candidates competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subject at (1) to (3) and (5) above.

3. THE EXAMINATION IN ALL THE SUBJECTS WILL BE OF CONVENTIONAL (ESSAY) TYPE.

4. All Question papers must be answered in English. The Question Papers will be set in English only.

5. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

6. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

7. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

8. If a candidate's handwriting is not easily legible, deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

9. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

10. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

11. In the question papers wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

12. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

13. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for answering papers in this examination. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

14. Special attention will be paid in that Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Candidates will be required to write a short Essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words.

(2) GEOLOGY PAPER 1 (Code 02)

A. General Geology.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evaluation and origin, Continental drift, Ocean spreading and concept of plate-tectonics, Palaeoclimates and their significance. Isostasy, Palaeomagnetism, Radioactivity and its application to geology, Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism, Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs Orogeny and epirogeny. Crogenic cycles.

B. Geomorphology—Geomorphic processes, features, and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. Structural Geology—Physical properties of rocks. Deformation; Faulting and folding—their mechanics, Primary structures. Lincation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds, Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. Stratigraphy—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type section of the various geological system Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continents (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations age problems in Indian stratigraphy.

E. Palaeontology—(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; coarls brachiopods, lamelli branch ammonites, gastropods, trilobites(echnoderms, graptolites and foraminifers.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals, Projections—spherical and Stereographic; 32 classes: (Point groups) Twinning and crystal imperfections.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates. Olivine group. Garnet group. Epidote group and Melilite group. Zircon, Sphene, Silimanite, Andalusite, Kyanite, Topaz, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline. Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica group. Chlorite group and Clay minerals. Feldspar group. Silica minerals. Feldspathoid group. Zeolite group and Scapolite group. Oxides, Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics, Optical accessories, Refrindex, Birefringence, Extinction angle, pleochroism, Optical ellipsoids. Optical axial angle, optic orientation Dispersion, Optic anomalies.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous* : Forms, structure, texture and classification. Granite-Granodiorite Diorite, Syenite-Nepheline Syenite, Gabbro-Periodotite-Dunite Dolerite, Lamprophyre, Pegmatic, Aplite, Ijolite and Carbonatite, Rhyolite, Trachyte Dacite Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two-component and three-component systems. Order of Crystallisation Reaction principle. Crystallisation of magmas, Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary* : Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and Basin-analysis. Provenance of sediments. Depositional environment. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic* : Agents, types, controls, structures, grades and facies of matemorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and Granitisation Migmatites, granulites, charnockites amphibolites, schists, gneisses and hornfels Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundance of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, Geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

(4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)

A. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution mode of occurrence and origin :

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum. Ochre, Precious and Semi-precious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass fertiliser-cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration, guides for locating ore deposits. Sampling, assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of Mineral Industries, Strategic, critical and essential mineral. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

HYDROGEOLOGY (Code 05)

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, aquicludes, aquitards, classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational, water pollution.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.
2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if these be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—
He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect, without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—
He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighted and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*.—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or continuous structure of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9 or 6/6	6/9 or 6/12	0.6	0.8

Note (1)—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Note (2)—*Fundus Examination* : Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and result recorded.

Note (3)—*Colour vision* : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour Perception	Lower Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and candidate	4.9 metres	4.9 metres
2. Size of aperture	1.3 mm.	1.3 mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

For the post of Geologist (Jr.) and Assistant Geologist concerning Geological Survey of India and Junior Hydrogeologist and Asstt. Hydrogeologist concerning Central Ground Water Board, the medical standard in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like edrige green shall be considered quite dependable for testing colour vision while either of the two test may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the test, both the tests should be employed.

Note (4)—*Field of vision*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives

unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

Note (5)—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

Note (6)—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard should be considered as disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided

the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and re-appear at still lower level. This silent Gap may cause error in readings).

8. The urine passed in the presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will issue its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if, the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit for non-technical job	the deafness is upto 30 decibels in higher frequency.
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical non-technical and job	if the deafness is up to 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane present	Temporarily unfit. Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation, in both ears should be given a chance by declaring him temporary unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
	(ii) Marginal or attic Perforation in both ears—	Unfit.
	(iii) Centre perforation both ears—	Temporarily unfit.

2	3	
(4) Ears with Mastoid cavity abnormal hearing on one on hearing side/on both sides	(i) Either ear normal hearing other ear, mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.	(b) that his speech is without impediment;
	(ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal Septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances individual cases.	(e) that there is no evidence of any abdominal disease;
	(ii) If deviated nasal Septum if present with symptoms—Temporarily unfit.	(f) that is not ruptured;
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx Fit.	(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
	(ii) Hoarseness of voice of severe degree is present then Temporarily Unfit.	(h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
(8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.	(i) Benign tumours Temporarily—Unfit.	(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
	(ii) Malignant Tumour—Unfit.	(j) that there is no congenital malformation or defect;
(9) Otitis media	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid Fit.	(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
(10) Congenital defect of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit.	(l) that he bears marks of efficient vaccination; and
	(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.	(m) that he is free from communicable disease.
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.	

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine the fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.)/ Assistant Geologist and Junior Hydrogeologist/ Assistant Hydrogeologist are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is "Yes" state the name of the race.
- (b) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung a disease fainting attacks, rheumatism, appendicitis.
- (c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

4. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause ?

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age if living, and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages and cause of death

Mother's age if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages and cause of death

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held ?

10. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

Note.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims of superannuation allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good..... Fair Poor.....

Nutrition : Thin Average..... Obese
Height (without shoes) WeightAny recent change in weight
Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration).....

(2) (After full expiration)

2. Skin : any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of Vision

(5) Fundus Examination

(6) Visual Acuity

(7) Ability for stereoscopic vision

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses Sph. eye Axis
Distant Vision			
RE			
LE			
Near Vision			
RE			
LE			
Hypermetropia (Manifest)			
RE			
LE			

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear

..... Left Ear

5. Glands Thyroid.

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory system

(a) Heart and organic lesions

Rate : Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping.....

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable LiverSpleen

KidneysTumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele.

Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.....

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

Note :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit vide regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

Note :—The Board should record their finding under one of the following three categories :

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of
- (iii) Temporarily unfit on account of

President.....

Member

Place

Date

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India.

- (i) Geologist (Junior) (Junior Scale)—Rs. 8,000-275-13,500/-.
- (ii) Geologist (Senior) (Senior Scale) Rs. 10,000-325-15,200/-.
- (iii) Director (Geology)—Rs. 12,000-375-16,500/-.
- (iv) Director (Selection Grade)—Rs. 14,300-400-18,300/-.
- (v) Dy. Director General (Geology)—Rs. 18,400-500-22,400/-.
- (vi) Sr. Dy. Director General (Operation)—Rs. 22,400-525-24,500/-.
- (vii) Director General—Rs. 26,000 fixed.

(d) Promotions to the higher grade of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 6,500-200-10,500/-.

(d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pensions are those described in all the Fundamental Rules and Civil Service Regulations respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) Assistant Geologists are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—

- (i) Scientist 'B' (Jr. Hg.)—Rs. 8,000-275-13,500/-.
- (ii) Scientist 'C' (Sr. Hg.)—Rs. 10,000-325-15,200/-.
- (iii) Scientist 'D'—Rs. 12,000-375-16,500/-.
- (iv) Regional Director—Rs. 14,300-400-18,300/-.
- (v) Member—Rs. 18,400-500-22,400/-.
- (vi) Chairman—Rs. 22,400-525-24,500/-.

- (c) Promotions to the highest grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
 - (d) Conditions of service and leave and pensions are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
 - (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
 - (f) All Officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.
- (2) Assistant Hydrogeologist, Group B—
- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.
 - (b) Prescribed scale of pay Rs. 6500—200—10,500/-.
 - (c) Recruitment to the cadre of Scientist 'B' Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C., by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.
 - (d) Conditions of service and leave and pensions are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
 - (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
 - (f) Assistant Hydrogeologist are liable for Service anywhere in India or outside India.

